MS Windows

परिचयः—

विन्डोज़ एक प्रकार का ऑपरेटिंग सिस्टम हैं। माइक्रोसॉफ्ट कॉरपोरेशन ने इस ऑपरेटिंग सिस्टम को प्रस्तुत किया है। यह एक सम्पूण रुप से चित्रो पर आधारित ऑपरेटिंग सिस्टम हैं। यह इसी परिस्थिति में एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर को चलाने के लिए आधार प्रदान करता हैं। प्रयोगकर्ता, आइकंस के माध्यम सें सुविधापूर्वक कार्य कर सकतें हैं।

विन्डोज़ की विषेशताः—

1. **GUI (Graphical User Interface)**
2. **Clip Board Memory (Cut & Paste)**
3. **Multitasking**
4. **OLE (Object Linking & Embedding)**
5. **What you see is what you get.**
6. **Plug & Play Utility**

GUI का आशय हैं प्रयोगकर्ता का कम्प्यूटर से चित्रो के माध्यम से संवाद स्थापित करना।:— यह विन्डोज की प्रथम विशेषता हैं, जिसके कारण विन्डोज़ प्रसिद्ध हुआ। इस विशेषता के कारण प्रयोगकर्ता आइकन्स (किसी प्रोग्राम तथा फाइल का चित्रीय निरुपण ऑइकन कहलाता हैं) के माध्यम सें सुविधापूर्वक कार्य कर सकतें है।

क्लिप बोर्ड (कट एवं कॉपी):— क्लिप बोर्ड एक प्रकार की मेमोरी हैं। कट तथा कॉपी के पश्चात डाटा यही संग्रहित होतें हैं। यह अस्थाई मेमोरी हैं क्योकि कम्प्यूटर के बंद होने पर डाटा क्लिप बोर्ड से नष्ट हो जातें हैं। क्लिप बोड की स्मण शक्ति 24 क्लिप्स की हैं।

मल्टीटास्किंग *:—* एक समय में एक से अधिक प्रोग्राम को चलाने की सुविधा को Multitasking कहते हैं। विन्डोज़ एक समय में एक सें अधिक प्रोग्राम को चलाने कि सुविधा प्रदान करता है। अतः हम कह सकते हैं कि विन्डोज़ एक *मल्टीटास्किंग ऑपरेटिंग सिस्टम हैं।*

OLE (Object Linking & Embedding): इस सुविधा द्वारा हम किसी फाइल को किसी दूसरी फाइल से जोड़ सकते है। एक फाइल को दूसरे फाइल से जोड़ने की सुविधा को लिंकिंग तथा फाइल में चित्रों को डालना, परिवर्तन करना या बदलाओं को एम्बेडिंग कहते हैं।

What you see is what you get: इस सुविधा के द्वारा दस्तावेजो का वैसा ही प्रिन्ट ले सकते हैं जैसा कम्प्यूटर के मॉनिटर पर दिख रहा है।

Plug & Play Utility: इस सुविधा से जब किसी हार्डवेयर हिस्से को कम्प्यूटर में जोड़ा जाता हैं, तो कम्प्यूटर स्वयं उसे स्वीकार कर प्रयोगकर्ता को उस हार्डवेयर सें सम्बंधित सुविधा प्रदान कर देता हैं।

विन्डोज कें विभिन्न वर्ज़न:

Win – 3.0 , 3.1, 95, 98, 98 SE, ME, Win NT, 2000, 2000 Server, 2000 Professional, Win XP, Win XP Home Edition, Win Server 2003, XP Professional, Win XP SP1, Win XP SP2, Win XP SP3, Win Vista, Win Server 2008, Windows 7.

कम्प्यूटर को विन्डोज़ मोड में बूट (चालू) करनाः–
जब हम कम्प्यूटर का स्विच ऑन करते हैं, तो सर्वप्रथम ओपरेटिंग सिस्टम (विन्डोज को चालू होने के लिए सभी आवश्यक फाइले) कार्यरत मेमोरी (रैम) में संग्रहित होता हैं तथा सभी हार्डवेयर हिस्सो की जाँच करता है। यही प्रक्रिया बूटिंग कहलाती हैं। बूटिंग के पश्चात जो स्क्रीन प्राप्त होती हैं, वह डेस्कटॉप कहलाती हैं।

डेस्कटॉप की विशेषता:
विन्डोज मोड में बूटिंग के पश्चात, जो स्क्रीन प्राप्त होती हैं, वह डेस्कटॉप कहलाती हैं। डेस्कटॉप पर हमें आइकन्स, माउस पॉइन्टर, स्टार्ट मेन्यू, टास्क बार इत्यादि प्राप्त होता हैं।

बैंकग्राउन्डः
आइकन्स के पीछे का प्रदर्शित भाग डेस्कटॉप का बैकग्राउन्ड कहलाता हैं। हम इसे निर्धारित व परिवर्तित कर सकतें हैं। निम्नलिखित विधि द्वारा हम बैकग्राउन्ड को परिवर्तित कर सकते हैं।

डेस्कटॉप पर राइट क्लिक करें → एक पॉपअप मेन्यू खुलेगा → जिसमे Property विकल्प पर क्लिक करें एक डॉयलाग बॉक्स खुलेगा जिसमें डेस्कटॉप टैब प्राप्त होगा → डेस्कटॉप टैब पर क्लिक करें बैकग्राउन्ड फाइल चुनें (ब्राउज विकल्प द्वारा हम अन्य फाइले विभिन्न लोकेशन से बैकग्राउन्ड के रुप में लगा सकते हैं)। → *(Tiled, Center or Stretch)* के माध्यम से इसे निर्धारित करें → अन्त में एप्लाई एवं ओके बटन पर क्लिक करें।

स्क्रीन सेवरः
स्क्रीन सेवर एक चित्रीय प्रोग्राम हैं, जो कम्प्यूटर को कुछ समय (Wait Time) के लिए विराम अवस्था में छोड़ दिये जाने पर स्वतः प्रारम्भ हो जाता हैं। यह स्क्रीन को सुरक्षित रखता है साथ ही जब प्रयोगकर्ता माउस को छूता हैं या की–बोर्ड के बटन को दबाता हैं, तो यह स्वतः हट जाता हैं। स्क्रीन सेवर प्रयोगकर्ता द्वारा निश्चित किए गए समय पश्चात स्वतः प्रारम्भ हो जाता हैं। स्क्रीन सेवर विभिन्न प्रकार के होते हैं, जिन्हे प्रयोगकर्ता इच्छानुसार परिवर्तित कर सकते हैं। निम्नलिखित विधि द्वारा हम स्क्रीन सेवर को परिवर्तित कर सकते हैं।

डेस्कटॉप पर राइट क्लिक करें → एक पॉपअप मेन्यू खुलेगी → जिसमे Properties विकल्प पर क्लिक करें एक डॉयलाग बॉक्स खुलेगा जिसमें स्क्रीन सेवर टैब प्राप्त होगा → स्क्रीन सेवर टैब पर क्लिक करें स्क्रीन सेवर का प्रकार चुने। सेटिंग के माध्यम से इसकी सेटिंग निर्धारित करें → स्क्रीन सेवर के प्रारम्भ होने का समय निर्धारित करें → अन्त में एप्लाई एवं ओके बटन पर क्लिक करें।

स्टार्ट बटनः
डेस्कटॉप में सबसे नीचे हमें एक बार प्राप्त होता हैं, जो टॉस्क बार कहलाता हैं। इस टॉस्क बार में हमें एक महत्वपूर्ण बटन प्राप्त होता हैं, जिसे स्टार्ट बटन कहते हैं। स्टार्ट बटन पर हमें ऑल प्रोग्राम विकल्प प्राप्त होता हैं, जिसके माध्यम से हम कम्प्यूटर पर उपलब्ध किसी भी प्रोग्राम को प्रारम्भ कर सकते हैं, सर्च विकल्प के माध्यम से किसी भी फाइल एवं फोल्डर को खोजा जा सकता है, हेल्प एण्ड सपोर्ट तथा कन्ट्रोल पैनल के

माध्यम से कम्प्यूटर के प्रोग्राम तथा हार्डवेयर की सेटिंग की जा सकती है। रन विकल्प के माध्यम सें किसी भी प्रोग्राम को शुरु किया जा सकता हैं।

क्विक लॉन्च आइकनः
टास्क बार पर उपस्थित आइकनो को क्विक लॉन्च आइकन कहते हैं। इन आइकनो के माध्यम सें किसी प्रोग्राम को सीधे ही खोला जा सकता हैं, तथा कई सारे विन्डो को एक साथ मिनिमाइज़ (Show desktop icon) किया जा सकता हैं। क्विक लॉन्च आइकन में हम अन्य नये प्रोग्राम भी जोड़ सकतें हैं।

सिस्टम ट्रे (दिनांक तथा समय):
सिस्टम ट्रे में हमें स्वतः चलने वाले कुछ सिस्टम सॉफ्टवेयरो के आइकन्स दिखतें हैं, जिनमे कुछ सक्रिय तथा कुछ निष्क्रीय होते हैं। इनके द्वारा हम दिनांक तथा समय परिवर्तित कर सकते हैं तथा टास्क बार का प्रबन्धन कर सकते हैं। दिनांक तथा समय को परिवर्तित करने के लिए टास्क बार पर जहाँ दिनांक तथा समय प्रदर्शित हो रहा है, वहाँ डबल क्लिक करे। दिनांक तथा समय परिवर्तित सम्बन्धी डायलॉग बॉक्स प्राप्त होगा। यहाँ हम आवश्यकतानुसार दिनांक तथा समय को परिवर्तित कर सकतें हैं।

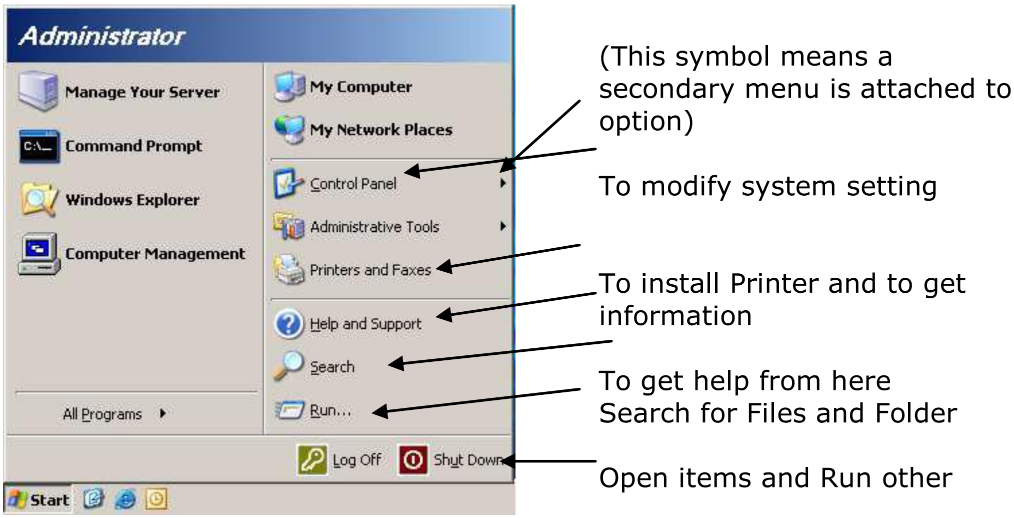

Fig: 1.4 Start Button

माउसः
यह एक इनपुट डिवाइस हैं, इसे प्वाइन्टिंग डिवाइस भी कहते हैं। माउस के माध्यम सें डाटा तथा निर्देशो को इनपुट करते हैं। इसके अलावा माउस द्वारा किसी आइटम या ऑब्जेक्ट को इंगित अथवा चुना जा सकता हैं। सामान्यतः इसमे दो बटन, लेफ्ट तथा राइट होते हैं। कुछ माउस में तीन बटन भी होतें हैं, तथा कुछ माउस में दो बटन के मध्य एक चरखी होती हैं, जिसके द्वारा पेज को उपर नीचे (स्क्रॉल) किया जा सकता हैं।

सिंगल क्लिकः
माउस के लेफ्ट बटन को एक बार दबा कर छोड़ देना क्लिक कहलाता है। हम सिंगल क्लिक द्वारा आइटम को सेलेक्ट कर सकतें हैं।

डबल क्लिकः
डबल क्लिक के द्वारा किसी फाइल या फोल्डर को खोल सकतें हैं। डबल क्लिक करने के लिए लेफ्ट बटन को शीघ्रता से दो बार दबाएं।

ड्रैग एण्ड ड्रॉपः
ड्रैग एण्ड ड्रॉप के द्वारा हम किसी फाइल एवं फोल्डर को एक स्थिति से किसी दूसरे स्थिति पर खिसका कर ला सकते हैं। किसी फाइल एवं फोल्डर को ड्रैग करने के लिए उसपर क्लिक करें, लेफ्ट बटन की दबी स्थिति में माउस को खिसकाए तथा गंतव्य स्थान पर लाकर छोड़ें।

राइट क्लिकः
माउस के राइट बटन को क्लिक करना राइट क्लिक कहलाता है। यह एक विशेष प्रकार का कमांड है जिसके द्वारा हमें एक लिस्ट प्राप्त होती है जिसमे चुने गये आइटम के लिए कार्यकारी विकल्प उपलब्ध होते हैं।

विषय से सम्बन्धित शब्दावलियाँः
डेस्कटॉपः
वह सबसे प्रथम विन्डो जिसमे विभिन्न आइकन्स जैसे माई कम्प्यूटर, माई डॉक्युमेन्ट, रिसाइकिल बिन इत्यादि दिखाई पड़ते हैं **डेस्कटॉप** कहलाती है। आइकन्स के पिछे का भाग जो चित्रनुमा दिखता हैं, वॉलपेपर कहलाता हैं।

आइकनः
फाइल, फोल्डर, एप्लिकेशन इत्यादि का चित्रिय प्रदर्शन आइकन कहलाता हैं। यह तीन प्रकार के होते हैं।

सिस्टम आइकनः
इन आइकन्स का सम्बन्ध कम्प्यूटर सिस्टम से होता हैं, जिसके माध्यम से हमे सिस्टम की जानकारी प्राप्त होती हैं।

प्रोग्राम आइकनः
ये आइकन्स कम्प्यूटर सिस्टम से सम्बन्धित होते हैं, जिसके द्वारा कम्प्यूटर में उपस्थित किसी भी प्रोग्राम को चालू किया जा सकता है।

फोल्डर आइकनः
ये आइकन्स प्रयोगकर्ता के द्वारा बनाए जाते हैं, जिनमे फाइल अथवा डाटा स्टोर किए जा सकते हैं।

फोल्डरः
द्वितीय भण्डारण में एक निश्चित स्थान जहाँ प्रयोगकर्ता डाटा को सुरक्षित रखता हैं, फोल्डर कहलाता है। निम्नलिखित विधि द्वारा नया फोल्डर बनाया जा सकता हैः–
सर्व प्रथम उस स्थान (location) को चुने जहाँ फोल्डर बनाना हैं, अब उस स्थान पर किसी खाली स्थान पर माउस का राइट बटन क्लिक करे, एक लिस्ट खुल कर आएगा, जिसमे न्यू तथा फोल्डर विकल्प पर क्रमशः क्लिक करेंगे, एक नया फोल्डर दिखने लगेगा, जिसका नाम नया फोल्डर होगा, जिसे हम की–बोर्ड से टाइप करके परिवर्तित कर सकते हैं।

सब–फोल्डरः
पहले से बने फोल्डर के अन्दर बने फोल्डर को सब फोल्डर कहते हैं। हम किसी फोल्डर में एक से अधिक फोल्डर बना सकते हैं, और ये सभी फोल्डर सब–फोल्डर कहलाते हैं। *सब–फोल्डर बनाने के लिए उस फोल्डर को चुने जिसमे सब–फोल्डर बनाना है, माउस का राइट बटन क्लिक करें, एक लिस्ट खुल कर आएगी, जिसमे न्यू तथा फोल्डर विकल्प पर क्रमशः क्लिक करें, एक नया फोल्डर दिखने लगेगा, जिसका नाम नया फोल्डर होगा, जिसे हम की–बोर्ड से टाइप करके परिवर्तित कर सकते हैं। इस प्रकार हम कई सब फोल्डर बना सकते हैं।*

फाइलः
डेटा जो फोल्डर या सब–फोल्डर में संग्रहित या सेव हैं, फाइल कहलाती है। हम फाइल को रुट पर भी सेव कर सकते हैं, परन्तु फाइल को फोल्डर या सब–फोल्डर मे सेव करना अधिक उपयुक्त माना जाता हैं।

माई कम्प्यूटरः
यह हमें कम्प्यूटर से सम्बन्धित सूचना प्रदान करता हैं। हार्डवेयर, फ्लॉपी ड्राइव, सी॰डी॰ ड्राइव, तथा डॉक्यूमेन्ट सें सम्बन्धित सूचना हमें माई कम्प्यूटर के द्वारा प्राप्त होती है। हम ड्राइव्स के आइकन पर क्लिक कर के खोल सकते हैं। माई कम्प्यूटर, सेलेक्ट किए गए ड्राइव से सम्बन्धित सूचना भी देती हैं। माई डॉक्यूमेन्ट, माई नेटवर्क प्लेस, शेयर डॉक्यूमेन्ट, कन्ट्रोल पैनेल इत्यादि की सूचना देती हैं, साथ ही चुने गए आइटम के सेटिंग में परिवर्तन तथा सुधार कर सकते हैं।

माई डॉक्यूमेन्टः
माई डॉक्यूमेन्ट विन्डोज द्वारा दिया गया एक भण्डार स्थान हैं, जब प्रयोगकर्ता डेटा को सेव करने के लिए कोइ निश्चित स्थान निर्धारित नहीं करता, तो डेटा माई डॉक्यूमेन्ट में सेव होता हैं, सेव विकल्प चुनने पर माई डॉक्यूमेन्ट बाई डिफॉल्ट खुलता हैं, जहाँ डेटा को सेव किया जा सकता है।

रिसाइकिल बिनः
यह भी विन्डोज द्वारा प्राप्त बाई डिफॉल्ट स्थान है, जहाँ डिलिट या मिटाए गए फोल्डर और फाइले संग्रहित होती हैं। यह एक सिस्टम आइकन है, जो डेस्कटॉप में प्राप्त होता हैं। रिसाइकिल बिन में उपलब्ध फाइल तथा फोल्डर को पुनः ड्राइव में संग्रहित (रिस्टोर) या स्थाई रुप से डिलिट किया जा सकता हैं।
फोल्डर तथा फाइलों को स्थाई रुप से डिलिट करने के लिए रिसाइकिल बिन पर डबल क्लिक कर के खोलें, उस फोल्डर या फाइल को सेलेक्ट करे, की–बार्ड से डिलिट बटन पर क्लिक करें।
फोल्डर तथा फाइलों को रिस्टोर करने के लिए रिसाइकिल बिन पर डबल क्लिक कर के खोलें, उस फोल्डर तथा फाइल को सेलेक्ट करें, माउस का राइट बटन दबाए, एक सूची खुलेगी, जिसमें रिस्टोर विकल्प पर क्लिक करें।

नेटवर्क प्लेसः
नेटवर्क प्लेस एक सिस्टम आइकन हैं। यह नेटवर्क से सम्बन्धित सूचना प्रदान करता हैं। इसके माध्यम से यह सूचना मिलती है की कितने कम्प्यूटर आपस मे जुड़े हैं, इसके साथ

ही हम डेटा तथा सूचना को एक कम्प्यूटर से दूसरे कम्प्यूटर में भेज तथा प्राप्त सकतें है।

Fig 1.5: Desktop of Windows

विन्डोज:

एक आयताकार स्थान जहाँ कोई भी प्रोग्राम प्रारम्भ या चलता हैं, उस प्रोग्राम की विन्डो कहलाती हैं।

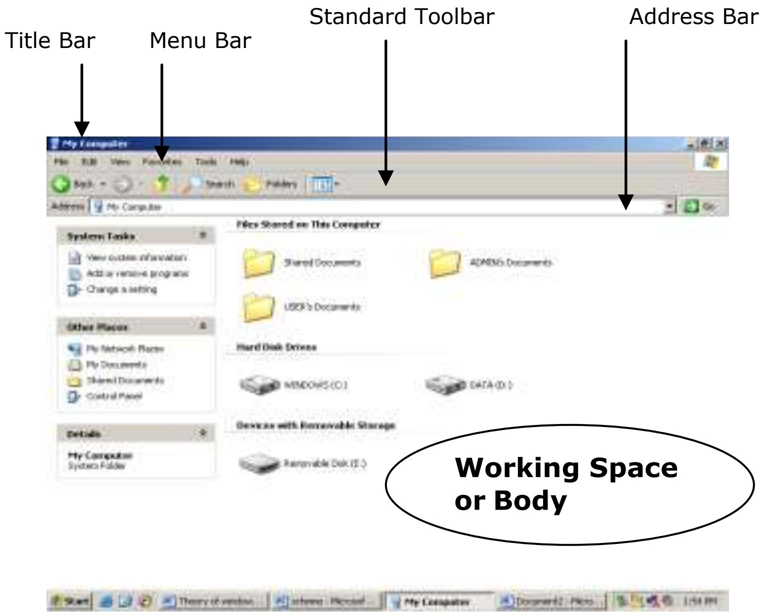

Fig: 1.6 Diagram of a Window

विन्डो में विभिन्न बार:

विन्डो में विभिन्न प्रकार के बार उपलब्ध होते हैं, जो निम्न प्रकार है–

टाइटल बार:

किसी भी विन्डो की सबसे ऊपरी भाग में जो बार स्थित होता हैं, टाइटल बार कहलाता है। टाइटल बार के बाई ओर प्रोग्राम तथा फाइल का शिर्षक (टाइटल) या नाम प्रदर्शित होता हैं, तथा दाहिने ओर तीन बटन मिनिमाइज, रीस्टोर तथा क्लोज तीन बटन प्राप्त होता हैं।

मेन्यू बारः
टाइटल बार के ठीक नीचे जो बार प्राप्त होता हैं, मेन्यू बार कहलाता हैं। मेन्यू बार में हमें विभिन्न प्रकार की कार्य सम्बन्धी सूची (मेन्यू) प्राप्त होती है, प्रत्येक मेन्यू में प्रोग्राम से सम्बन्धित कई उपविकल्प भी उपलब्ध होते हैं।

टूल बारः
मेन्यू बार के नीचे टूल बार प्राप्त होता है। टूल बार में उपलब्ध विकल्पो के माध्यम से कार्य क्षेत्र (वर्किंग स्पेस) में कार्य सरलता से किया जा सकता है।

एड्रेस बारः
एड्रेस बार का प्रयोग डेटा को सेव करने के लिए स्थान (लोकेशन) निर्धारित करने या किसी स्थान (लोकेशन) तक पहुँचने मे किया जाता है। (उदाहरण– माई कम्प्यूटर, लोकल डिस्क, सी॰डी॰ इत्यादि)

टास्क बारः
टास्क बार विन्डो के सबसे नीचे प्रदर्शित होता है, यह कार्य से सम्बन्धित जानकारी देता है साथ ही यह भी सूचना देता है कि एक साथ कितने प्रोग्राम कार्यरत हैं।

स्टेटस बारः
स्टेटस बार वर्तमान में वर्कींग स्पेस मे खुले प्रोग्राम की जानकारी प्रदान करता है।

मिनिमाईज, रीस्टोर बटन तथा क्लोज बटन का प्रयोगः
मिनिमाईज, रीस्टोर, तथा क्लोज बटन टाइटल बार मे दाहिने ओर उपलब्ध होती है। प्रत्येक बटन का प्रयोग निम्नलिखित है–

मिनीमाईज बटनः
मिनीमाईज बटन रीस्टोर के बायें ओर उपलब्ध होता है। इस बटन को दबाने से पूरी विन्डो सिकुड़ के टास्क बार में समायोजित हो जाता है।

रीस्टोर बटनः
रीस्टोर बटन मिनीमाईज तथा क्लोज बटन के मध्य स्थित होता है। इस बटन के प्रयोग से किसी प्रोग्राम को छोटे आकार से पूरे विन्डो में फैलाने में किया जाता है।

मैक्सिमाइज बटनः
मैक्सिमाइज बटन रीस्टोर करने के पश्चात उसी के स्थान पर प्राप्त होता हैं, इसके प्रयोग से मिनीमरइज किए प्रोग्राम को डेस्कटॉप पर पुनः लाने के लिए किया जाता है।

क्लोज बटनः
क्लोज बटन रीस्टोर बटन के दाहिने ओर स्थित होता हैं, इसका प्रयोग प्रोग्राम के विन्डो को बन्द करने में किया जाता है।

कट, कॉपी, पेस्टः
कटः किसी फोल्डर या आइटम को उसके निर्धारित स्थान से इस प्रकार हटाना जिससे उसे किसे दूसरे स्थान पर रखा जा सके कट करना कहलाता है।

कॉपी: किसी का नकल तैयार करना जिससे उसे किसी अन्य स्थान पर भी रखा जा सके कॉपी करना कहलाता है।

पेस्ट: पहले से कट तथा कॉपी किए गए फोल्डर या आइटम को नए स्थान पर रखना पेस्ट करना कहलाता है।

बैकग्राउन्ड परिवर्तन:

डेस्कटॉप पर राइट क्लिक करें → एक पॉपअप मेन्यू खुलेगी → जिसमे Property विकल्प पर क्लिक करें एक डॉयलाग बॉक्स खुलेगा जिसमें डेस्कटॉप टैब प्राप्त होगा → डेस्कटॉप टैब पर क्लिक करें बैकग्राउन्ड फाइल चुने (ब्राउज विकल्प द्वारा हम अन्य फाइले विभिन्न लोकेशन से बैकग्राउन्ड के रुप में लगा सकते हैं)। → (*Tile, Center or Stretch)* के माध्यम से इसे निर्धारित करें → अन्त में एप्लाई एवं ओके बटन पर क्लिक करें।

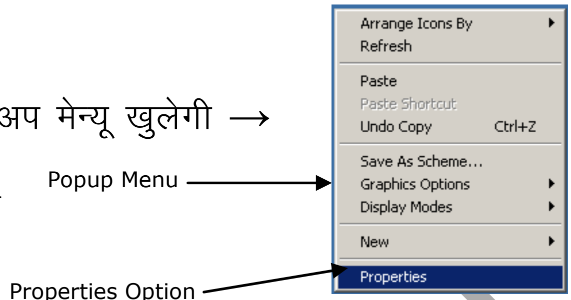

Fig: 1.7 Popup Menu on free space at Desktop

स्क्रिन सेवर परिवर्तन:

डेस्कटॉप पर राइट क्लिक करें → एक पॉपअप मेन्यू खुलेगी → जिसमे Properties विकल्प पर क्लिक करें एक डॉयलाग बॉक्स खुलेगा जिसमें स्क्रीन सेवर टैब प्राप्त होगा → स्क्रीन सेवर टैब पर क्लिक करें स्क्रीन सेवर का प्रकार चुने। सेटिंग के माध्यम से इसकी सेटिंग निर्धारित करें → स्क्रीन सेवर के प्रारम्भ होने का समय निर्धारित करें → अन्त में एप्लाई एवं ओके बटन पर क्लिक करें।

माई कम्प्यूटर के माध्यम से फोल्डर बनाना तथा खोजना:

सर्व प्रथम वह लोकेशन चुने जिसमे फोल्डर बनाना है (उदाहरण के लिए D:\ Drive)।

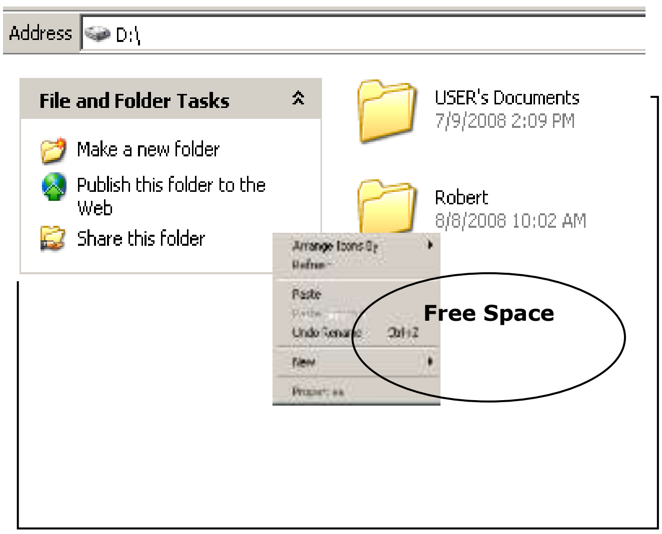

Fig: 1.9 Free space for creating New Folder

अब उस स्थान पर किसी खाली स्थान पर माउस का राइट बटन क्लिक करे, एक लिस्ट खुल कर आएगा, जिसमे न्यू (New) तथा फोल्डर (Folder) विकल्प पर क्रमश: क्लिक करेंगे, एक नया फोल्डर दिखने लगेगा, जिसका नाम नया फोल्डर होगा, जिसे हम की–बोर्ड से टाइप करके परिवर्तित कर सकते हैं।

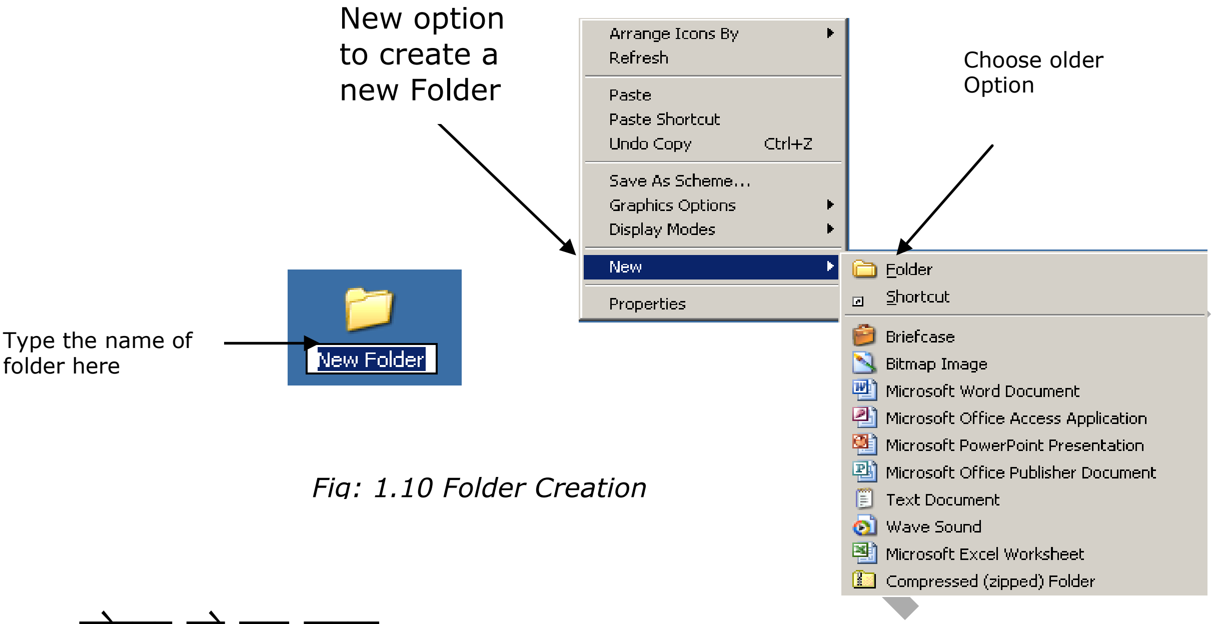

Fig: 1.10 Folder Creation

फोल्डर को कट करना:

चरण 1: उस फोल्डर को चुनें जिसे कट करना है।

चरण 2: फोल्डर पर राइट क्लिक करे।

चरण 3: पॉपअप मेन्यू में से कट विकल्प पर क्लिक करे।

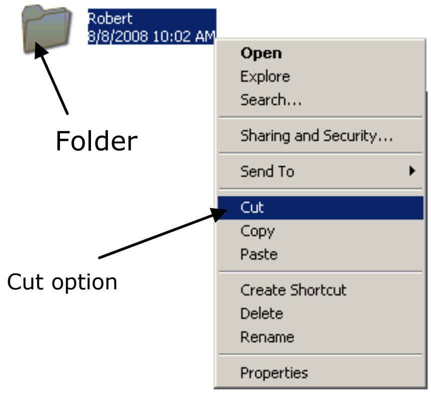

फोल्डर को कॉपी करना:

चरण 1: उस फोल्डर को चुनें जिसे कॉपी करना है।

चरण 2: फोल्डर पर राइट क्लिक करें।

चरण 3: पॉपअप मेन्यू में से कॉपी विकल्प पर क्लिक करे।

कट या कॉपी करने के पश्चात फोल्डर को किसी अन्य स्थान पर पेस्ट कर देते हैं।

फोल्डर को पेस्ट करना:

चरण 1: उस लोकेशन को चुने जहाँ फोल्डर को पेस्ट करना है।

चरण 2: माउस का राइट बटन किसी खाली स्थान पर क्लिक करें।

चरण 3: पॉपअप मेन्यू में से पेस्ट विकल्प पर क्लिक करे।

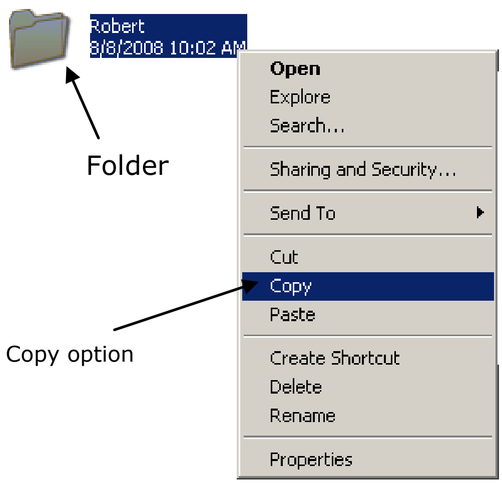

नोट: पेस्ट विकल्प सदैव कट या कॉपी विकल्प के पश्चात ही चुना जाता है।

पेस्ट विकल्प चुनने के बाद हम देखेंगं की चुने गए लोकेशन पर कट या कॉपी किया गया फोल्डर आ गया है।

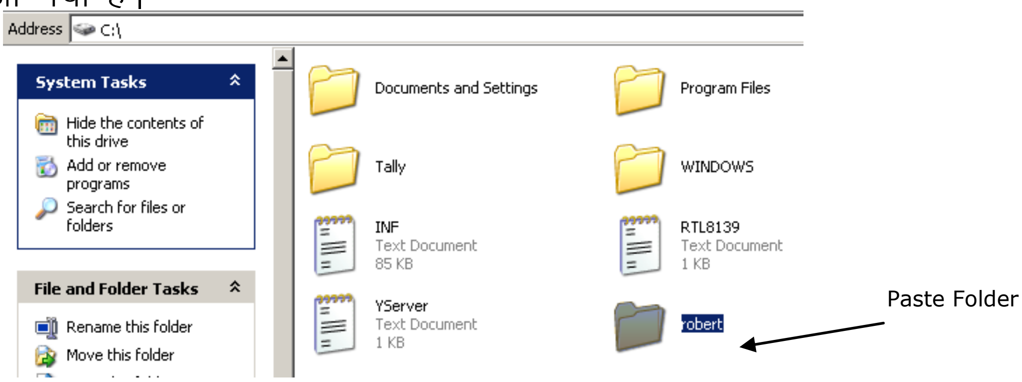

फोल्डर को डिलीट करना:

चरण 1: उस फोल्डर को चुनें जिसे डिलीट करना है।

चरण 2: चुने गए फोल्डर पर राइट क्लिक करे।

चरण 3: पॉपअप मेन्यू मे से डिलीट विकल्प पर क्लिक करे।

चरण 4: एक डॉयलॉग बॉक्स खुलेगा जिसमें पुन: डिलीट करने के लिए पूछेगा जिसमे यस बटन पर क्लिक कर के फोल्डर को डिलीट किया जाता है।

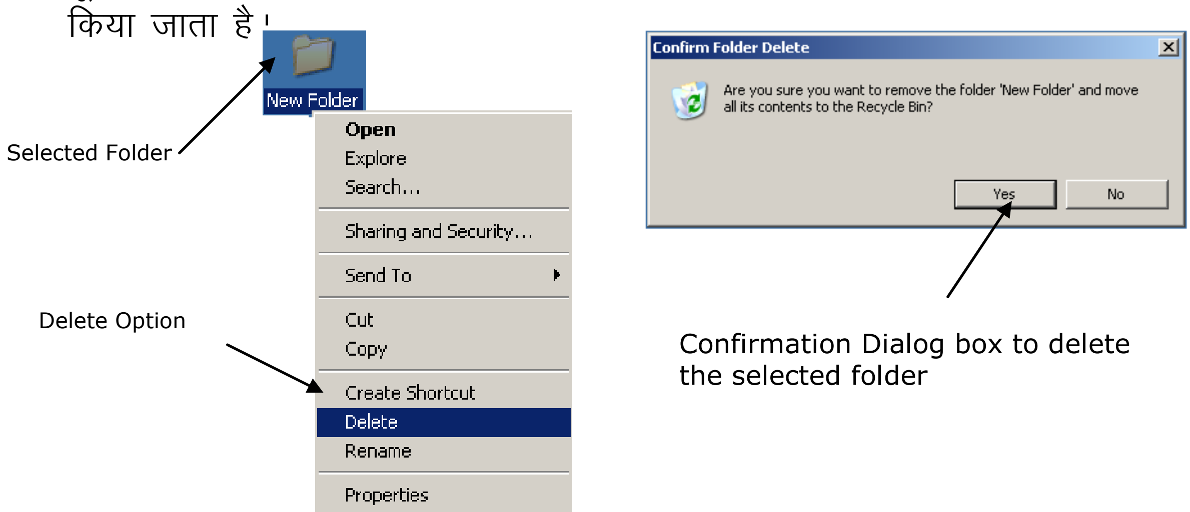

चरण 5: इस बटन पर क्लिक करके फोल्डर को रीसाइकिल बिन मे भेजा जा सकता है।

फोल्डर को रीनेम (नाम परिवर्तित) करना:

चरण 1: उस फोल्डर को चुनें जिसे रीनेम करना है
चरण 2: चुने गए फोल्डर पर राइट क्लिक करे।
चरण 3: पॉपअप मेन्यू में से रीनेम विकल्प पर क्लिक करें।
चरण 4: नया नाम की–बोर्ड से टाइप करें।

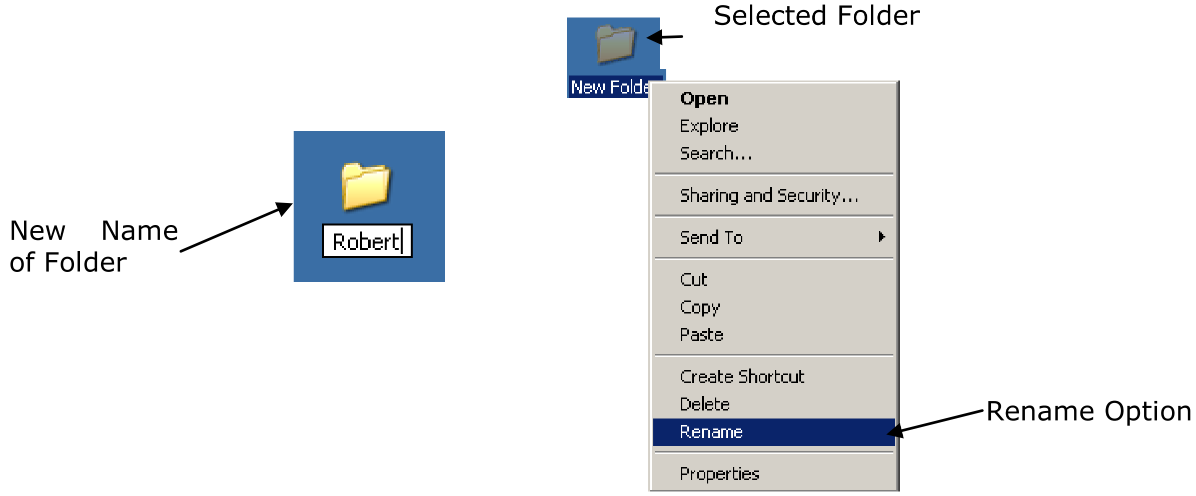

माई नेटवर्क प्लेस का प्रयोग:

माई नेटवर्क प्लेस का प्रयोग से फाइल तथा फोल्डर को एक कम्प्यूटर से दूसरे कम्प्यूटर में भेज तथा प्राप्त कर सकते हैं, तथा अन्य कम्प्यूटर से डेटा तथा सूचना को देख भी सकते हैं। इसके अतिरिक्त प्रिन्टर तथा अन्य पेरिफेरल्स (सहायक यन्त्र) को नेटवर्क से जोड़ कर इन सब की नेटवर्क के किसी भी कम्प्यूटर से शेयरिंग की जा सकती है। क्लाइन्ट तथा सर्वर आधारित सॉफ्टवेयर का नेटवर्क पर प्रयोग किया जा सकता हैं, जिसमे डेटा मुख्य कम्प्यूटर अथवा सर्वर पर अपडेट होता रहता है एवं अनेक प्रयोगकर्ता अपने अपने क्लाइन्टस पर सॉफ्टवेयर के इन्टरफेस पर कार्य करते रहतें हैं।

फाइल तथा फोल्डर को शेयर करना तथा नेटवर्क में जुड़े हुए कम्प्यूटर से सूचना प्राप्त करना–

चरण 1: माई नेटवक प्लेस को डेस्कटॉप से खोलें।
चरण 2: जहाँ जुड़े हुए कम्प्यूटर की सूची प्राप्त होगी।
चरण 3: किसी भी नोड (नेटवर्क मे जुड़ा कम्प्यूटर) पर राइट क्लिक करें।
चरण 4: अधिक जानकारी के लिए ओपेन विकल्प चुनें।

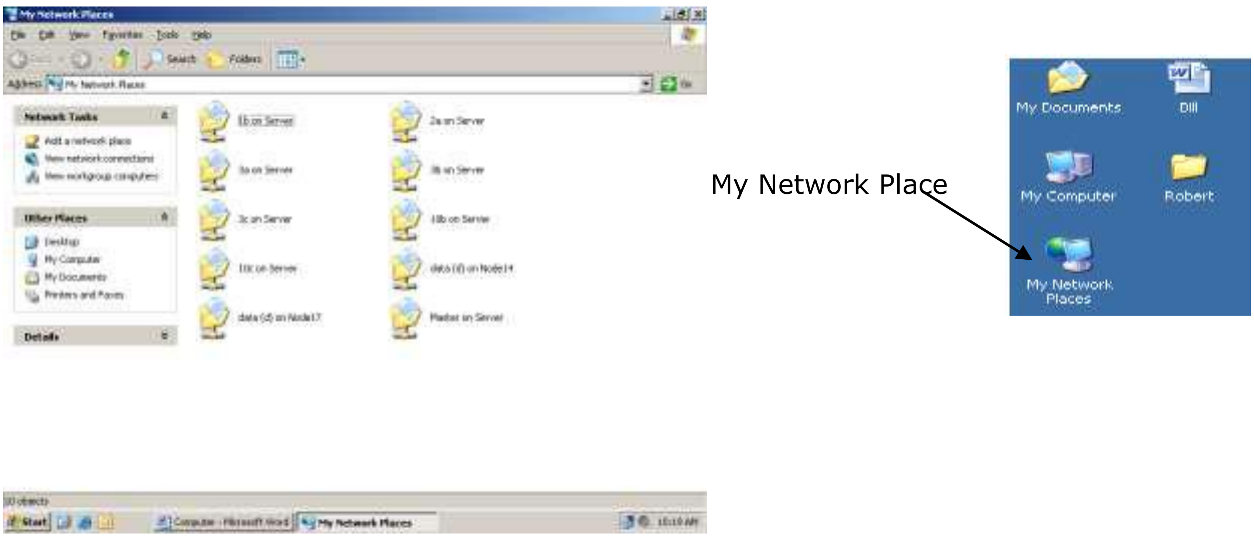

क्लिप बोर्ड:

क्लिप बोर्ड एक प्रकार की अस्थाई मेमोरी हैं। कट तथा कॉपी के पश्चात डॉटा यही संग्रहित होतें हैं। यह अस्थाई मेमोरी हैं क्योकि कम्प्यूटर के बंद होने पर डाटा क्लिप बोर्ड सें नष्ट हो जाता है। क्लिप बोर्ड की स्मण शक्ति 24 क्लिप्स की हैं।

विन्डोज का आधारभूत एक्ससिरिज:

विन्डोज की कुछ आधारभूत एक्ससिरिज होती हैं, जैसे कैलकुलेटर, पेन्ट, नोटपैड, वर्डपैड इत्यादि।

नोटपैड:

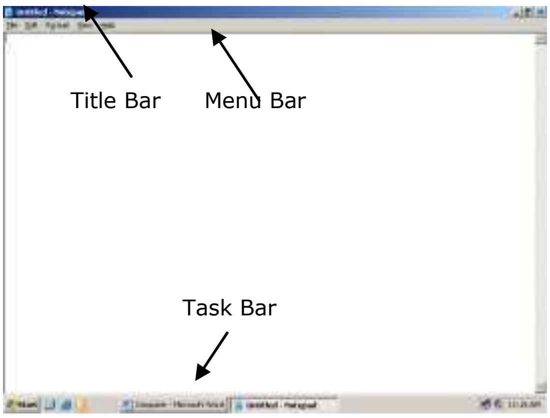

यह विन्डोज द्वारा प्राप्त बाई डिफाल्ट सॉफ्टवेयर है, यह एक वर्ड प्रोसेसर है, जो टाइपिंग करने में प्रयोग किया जाता है। नोटपैड में फाइलों का फॉरमैट नहीं किया जा सकता। यह केवल टाइपिंग सीखने के लिए प्रयोग किया जाता है।

नोटपैड को खोलना: *स्टार्ट → ऑल प्रोग्रॅम एक्ससिरिज → नोटपैड।*

वर्डपैड:

यह एक टेक्स्ट एडिटिंग सॉफ्टवेयर है, इसका प्रयोग डॉक्यूमेंट तैयार करने उसमे सुधार या परिवर्तन करने तथा हल्के चित्र बनाने में किया जाता हैं। वर्डपैड का प्रयोग ऐसे छोटे डॉक्यूमेंट जिनका आकार 64 किलो बाइट से अधिक होता है, को खोलने तथा फॉरमेट करने के लिए किया जाता है।

वर्डपैड को खोलना: *स्टार्ट → ऑल प्रोग्राम → एक्ससिरिज →* वर्डपैड।

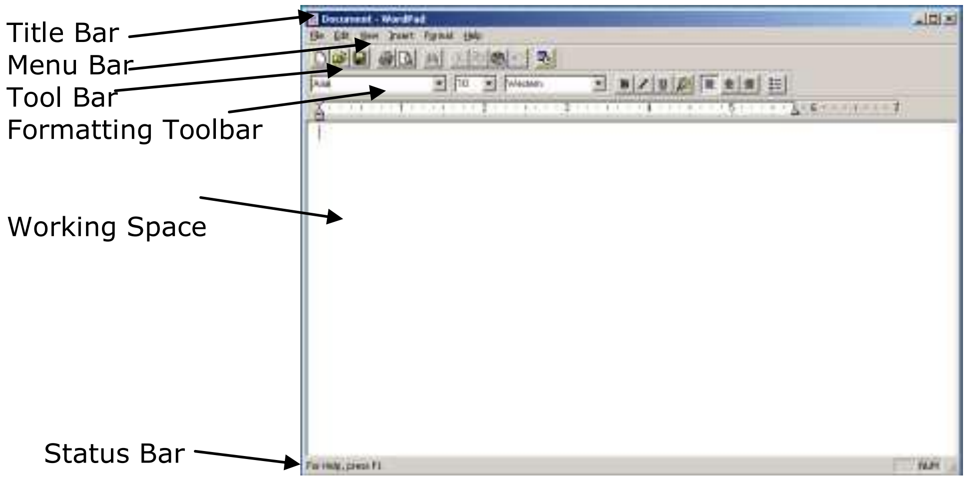

पेन्ट:

पेन्ट का प्रयोग चित्र बनाने, खोलने तथा देखने के लिए किया जाता हैं। पेन्ट पर बने चित्र को किसी अन्य डॉक्यूमेंट में पेस्ट कर सकते है, साथ ही चित्र को डेस्कटॉप के

बैकग्राउन्ड के रूप मे भी लगाया जा सकता है। स्कैन किए गए फोटो को भी पेन्ट में देखा जा सकता है।

पेन्ट को खोलना: *स्टार्ट → ऑल प्रोग्राम → एक्ससिरिज → पेन्ट* /

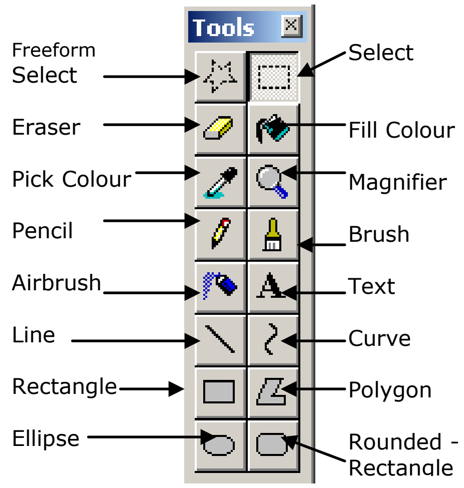

कम्प्यूटर को शट डाउन करना:

जब पर कार्य समाप्त हो जाता है, तब इसे बन्द करना होता हैं। कम्प्यूटर को व्यवस्थित रुप से बन्द करने का प्रक्रिया को शट डाउन करना कहलाता हैं। शट डाउन निर्देश देने पर रैम मे उपस्थित डेटा हर्डडिस्क मे सेव हो जाती हैं, तथा कम्प्यूटर सुरक्षित रुप से बन्द हो जाता हैं।

कम्प्यूटर को करने की प्रक्रिया: स्टार्ट बटन पर क्लिक करे टर्न ऑफ या शर्टडाउन विकल्प पर क्लिक करे एक डॉयलाग बॉक्स खुल कर आएगा जिसमें सें टर्न ऑफ या शर्ट डाउन बटन पर क्लिक करे (रीस्टार्ट करने के लिए रीस्टार्ट विकल्प चुने)। कम्प्यूटर व्यवस्थित रुप से बन्द हो जाएगा।